TOPIC Date: / / Page No.:

Ved Anil Pawar 2nd Prize in Hindi Elocution

"विराम चिन्हों का सदुपयोग"

विराम; विराम का अर्थ है ठहराव, विश्राम, रुकना। विराम को प्रकट करने वाले चिन्हों को विरामचिन्ह कहते है।

भाषा मे विराम चिन्हों का बहुत बडा महत्त्व है। यदि विराम चिन्हों का प्रयोग न किया जाए तो अर्थ का अनर्थ हो जाता हैं। भाषा मे लेखन की शुध्दता के लिए विराम चिन्हों का सदुपयोग करना बहुत जरूरी है। इनसे वक्ता या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने मे आसानी हो जाती है।

लंबे, मिश्रित, संयुक्त वाक्य विराम चिन्ह के प्रयोग से सरल हो जाते हैं। हम एक उदाहरण लेते हैं... "रोको मत जाने दो" अगर हमने रोको मत के बाद विराम लगाया तो उसका अर्थ होता हैं - रोको मत, जाने दो। और अगर हमने रोको के बाद विराम लगाया तो उसका अर्थ होता हैं - रोको, मत जाने दो। ऐसे ही जब हम सही जगह पर विराम चिन्हों का सदुपयोग करते हैं, तो हमारा वाक्य अर्थमय रहता हैं, वरना उसका कोई अर्थ नही रहता।

विराम चिन्हों के जनक प्रसिद्ध लेखक 'दोनेकुस' ने पहली बार अपनी किताब मे विराम चिन्हों का इस्तमाल किया था।

vayu Diamond

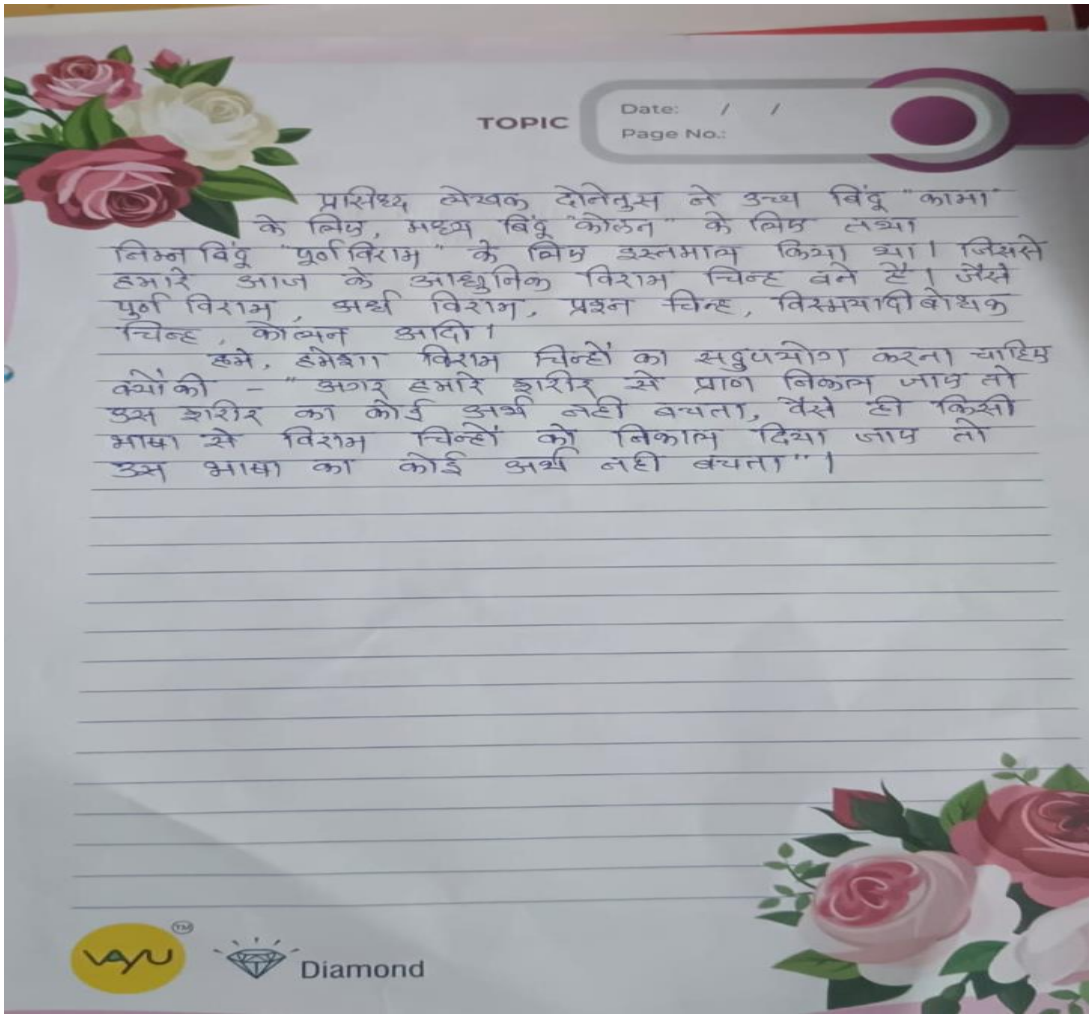
TOPIC

Date: / /
Page No.:

प्रसिद्ध लेखक दोनेतुस ने उच्च बिंदु "कामा" के लिए, मध्य बिंदु "कोलन" के लिए तथा निम्न बिंदु "पूर्ण विराम" के लिए इस्तमाल किया था। जिससे हमारे आज के आधुनिक विराम चिन्ह बने हैं। जैसे पूर्ण विराम, अर्द्ध विराम, प्रश्न चिन्ह, विस्मयादिबोधक चिन्ह, कोलन आदि।

हमे, हमेशा विराम चिन्हों का सदुपयोग करना चाहिए क्योंकी - "अगर हमारे शरीर से प्राण निकल जाए तो उस शरीर का कोई अर्थ नही बचता, वैसे ही किसी भाषा से विराम चिन्हों को निकाल दिया जाए तो उस भाषा का कोई अर्थ नही बचता"।

Diamond